# गोपाल वंशावलि

– जगदीशचन्द्र रेग्मी

## ( गताङ्कको बाँकी )

स्वस्तिः भूतवृतान्तर लिखितञ्च शृणु ।।

**१. सकदेव**

क. सम्बत् १७७ आषाढ

३१ क

कृष्ण प्रतिपद्या उत्राषाढ नक्ष सुधिजोग बुधवार श्री सकदेवस्य पुत्र **श्री शिवदेवस्य** जातः ।।

ख. राजा अस्त ६९ कमरुया भैरब अवतारः ।।

ग. शिवदेवश कृत्य वलवल नदी वन्धनीय । पनालिका कूपदेश स्थाने स्थाने शोभ कृता।।

**२. सीहदेव** सम्बत् १९९ वेशाष पूर्णस्या विशाष नक्षत्र ध्रुवजोग व्यहस्थिवार मध्यान वेलाया श्री सीहदेह परमेश्वरस्य पुत्र श्री **महेन्द्रदेवस्य** जातः ।। धनेश्वर्यादातार महाभोगवान् युवराजमिति ।। तस्य कृतं मदनसरवरं सम्बत् २३९ वेशाष पूर्णमी प्रतिष्ठा कृतं दिनप्रति दम्मकेक वनि देयं ।। अस्त वर्ष ६५ ।। ।।

**१. विष्णुगुप्त**

३० ख

क. श्री विष्णुगुप्त राजासन प्रथमस प्रचक्र जयरमेस थाप्रया श्री विष्णुतीर्थ नारायन सः श्वसये चङ्गुं धाय ।।

ख. श्वया लिवया चंगु थाप्रपा दुर्मिक्ष भुज रंङ्गन असहन जुयाव श्वल संलिस सुभिक्ष जुव श्वया चंगु धाय ।।

ग. श्वया लिव धाप्रपा विष्णुनाम लु द्वयके कामनानः थोलका पिस लुं वागाक्व श्वयञ्चंगु धायः ।।

घ. श्वया लिव थाप्रपा सन्तान कामनानं **श्री चंगुङ्गरडनारायनश** श्ववञ्चंगुन्धाय श्वते पीव चंगुधायः ।।

**२. पुष्पदेव**

क. चंगुया दुदु फंकया हेतुः श्री पुष्पदेवराजास प्रज्यास असहनदेश समद्तंडव श्वतेस सातकयाङा म्हंग्व सक्यंङा ।

ख. गुणिला थोत दुद्ति सिकोन्हु दुदु फंकनु खुय श्वनद्वानसतेय गुन्हुतो एका पलका सखा अभिसेष श्वपराक्षाम निवारण ।।

**१. श्री शीहदेव**

क. सन्बत् २१९ बेशाष कृष्ण पञ्चम्या उत्राषाढ नक्षत्र श्री शीहदेव परमेश्वरस्य पुत्र श्री आनन्ददेवस्य जात ।। अस्त वर्ष ६८ ।। ।।

ख. संवत् २२८ फाल्गुण शुक्ल त्रयोदशी रेवति नक्षत्रे श्री सीहदेव परमेश्वरस्य जात श्री रुद्रदेवस्य जात ।। राजा अस्त वर्ष ६७ ।। ।।

**२. श्री महेन्द्रदेव**

३१ ख

सम्बत् २३२ मा शुक्ल चतुर्थी उत्रभद्र

नक्षत्र. श्री महेन्द्रदेवस्य पुत्र **श्री वसन्तदेवस्य** जात ।। अस्त वर्ष २१ ।। ।।

**३. श्री सीहदेव** 		३१ ख

सम्बत् २३३ अश्विनि शुक्ल तृतीया विशाष नक्षत्र श्री सीहदेव प्रमेश्वरस्य पुत्र श्री अमृ**तदेवस्य** जात ।। राजा अस्त वर्ष ६६ भाद्रव कृष्ण नवम्यां ।। ।।

३१ ख

**१. श्री जगतपाल**

सम्बत् २३३ श्रावन कृष्ण त्रयोदशी... ... नक्षत्रे श्री जगतपालस्य पुत्र जातः । महामण्डलीक प्रक्षातः स्ववर्ण निधि बहुतरं तस्य अस्त वर्ष ६७ ।।

३१ ख

**२. श्री वसंतदेव**

क. सम्बत् २३५ पौष कृष्ण सप्तमी षा नक्षत्र श्री वसंतदेवस्य पुत्र **श्री तुंगदेव** जातः ।। अस्त वर्ष १३ ।। ।।

ख. तं पटलजुया हेतुन कन्हु पाव दे स असहन ... ... साद थाडा दंग जुयका थ्वव थ्वया शान्ति याय जुस्यं देव थापन ... ... वो सकथा खलिस कालमजु... ।। ।।

३१ख–३२क

**३. महेन्द्रदेव**

सम्वत् २३९ फाल्गुण शुक्ल त्रयोदशी मघ नक्षत्र श्री महेन्द्रदेवस्य पुत्र **श्री सोमेश्वरदेव** जातः ।। राजा अस्त वर्ष ६३ ।।

३२ क

**१. सोमेश्वरदेव**

सम्बत् ... ...शुक्ल एकादशी हस्त नक्षत्र शनिश्चर वार श्री सोमेश्वरदेवस्य **असुसारणदेव** जातः ।। अस्त वर्ष... ...।। ।।

३२ क

**२. रुद्रदेव**

सम्वत् . . . . . आषाढ शुक्ल द्वादशी जेष्ट नक्षत्र सापा श्री रुद्रदेवस्य पुत्र श्री **विशाखदेव** जात ।। अस्त वर्ष २६ ।। ।।

३२ क

**३. उदयादित्यदेव**

सम्वत् . . . . . रेवति नक्षत्र श्री उदयादित्यदेवस्य पुत्र श्री **उजेतदेवस्य** जात युराजमितिः अस्त वर्ष ३५ ।। ।।

३२ ख

**४. जयशिमल**

सम्बत् २७४ मार्ग . . . . . नक्षत्र श्री जयशिमलदेवस्य पुत्र श्री **अरिमल्लस्य** जातः राजा भोग वर्ष १५ अस्त वर्ष ६२ मा १० ।।

३२ ख

**१. नकपुरबुरि**

सम्बत् . . . . प्र अमावास्या रोहिणी नक्षत्र बुध वार नकपुरबुरि यविनः **तवमंनछे** दिन चोना ।।

३२ ख

**२. जसमलदेव**

सम्बत् २७२ . . . . शुक्ल . . . . . पुनर्वसु नक्षत्र श्री जसमलदेवस्य पुत्र श्री **अनन्तमल्लदेवस्य** जात अस्त वर्ष २० ।। . . . .

३२ ख

**३. रुद्रदेव**

सम्बत् २८– द्विराषाढ शुक्ल द्वादशी . . . . श्री **रुद्रदेवस्य** पुत्र . . . . तः । अस्त वर्ष २६ ।।

३२ ख

**४. नरमलदेव**

सम्बत् २३१ भाद्रपद कृष्ण . . . . . . . . श्री नरमलदेवपालस खण्ड . . . . . डोयया . . . . . ।।

३२ ख–३३ क

**१. दुर्भिक्ष**

सम्बत् ३४० कार्त्तिकन . . . वाछवारिके दुर्भिक्ष जुवः ।।

३३ क

सम्बत् ३६४ अश्विनि कृष्ण द्वितीयाचाक कीन वंड पला- खचोस अमरू महाथ टो. . . . . थ्ड. . . डम लाखा. . . ,

लाजयाम्हकुट. . . . . ठङालिछिस विजयजुव जात्रायाङ लास्यंतया हाथार ॥

३३ ख

सम्बत् ३६१ जेष्ठ शुक्ल अष्टमी यवुया तुग्व भार क्वाठ चाल्थ कायदब कीर्त्तिपाल भारोस. . . .

३३ ख

क॰ सम्बत् ३५४ फाल्गुण कृष्ण सप्तमी तिपुर यटा सुदि वोयथो भोत वो वछिलिचाया टावो वंथो भोन्त क्वाठ पु ङाससात व. . . . ङ्गद्ति. . .

३३ ख

ख. . . . . चाया दिवशः ॥

३४ क

सम्बत् ४९० अश्वि शुदि ६ जात भिटा दिवगतः ॥

२९ ख

सम्बत् ३३९ आषाढ. . . . अह . . . लोक. . . य ॥

३३ क

सम्बत् ३६१ श्रावन कृष्ण . . . . दिन . . . . सिहपाह सम . . . . . ॥

३३ क

सम्बत् ३६२ अश्विनि कृष्ण. . . . कोन्हु . . . कं ॥

३३ क

क. सम्बत् ३६२ चेत कृष्ण... मूल नक्षत्र आदीत वार लि... ... शिकोन्हु ...पाल भासन देश लुह्लियाङ । सुगामालन पिपाल... ....

३३ क

ख ... ... क्वाछें किपाल भारोस ज्वङा ॥ जिन्हुलि वसान वियाराज... ... शुक्ल पञ्चमी तिपुरण सङ्कपु ... ... म चालब यछिमी अफह्लयाङ वुड...। थ्वया खुन्हु लिव कनपी...

३३ ख

स ४२३ बैशाष शुक्ल तृतीया... मगुंक्व... तिपुरम मल... थाकम... तला उभयदल भंग्रपं वव धाद्तनः ॥ ॥

४१ क

स ४२४ चेत्र वदि दशमी वप्पोछें क्वाठस कुलया

४१ क

येट ग्वसया वने क्वाठ कोसपूजा याङ स्याङ केशकोथछे भीप्तीप्तिसके: ॥ य कंतीस छम्हंगल कीस्यं स्याङाः ॥ ॥

४१ ख

स ४२५ आषाढ शुक्ल पञ्चमी खप्वंन हाथार ज्याङ फनपी देगञ्चाल्वभचोस्यं यंपस गप्त वन्धरपं चोङा तिपुर मनिगल स्वन्दस नवक्वाठ थ्वते छिपन्तयाङ यद्तंन लुं कास्यं कील्हाया ॥

४१ ख

स ४२५ श्रावण शुक्ल द्वितीया भोन्तन चोछेंस जाखा बीद्यापीठिस तिपुरण तेल लं अन्त्रयाङ उभय खाप्तजुव चो भोतलि चेल वङ्गवटो ॥ ॥

४१ ख

स ४२० प्वसलागाक अमावास्या कोन्हु चा असनि-मण्ढो जारवा दिवस क्वाथ डंङा म्हशिलास लागाक्व द्वादशी कोन्हु डोय हाथारण भङ्ग-रपं ववः तिपुर दलवधि ॥ असनिनेम्भङ्ग चेतल थोव पञ्चमी भरणी बृहस्पतिवार...

४० ख

... ...थलिनयं मिति लींनयफास्यं डोय हाथार ज्याङवो दिवस । संती चुनिगल दुंपुंदववमचाल्व ।... ता हरिस डोय ग्वण्ड थ्वङाम्ह ७ व्यंखा द्वलह्म ३ पेलुखा जलधुनि नया ब्रह्मपुरटो दुंपुंङता । थ्वतेंस तिपुरण डण्ड मन्द्रपालू... प्रजायाके हेस्यकं विलरोव प्रति दम्म ६ सार विल दम्म ३ छेखा प्रति दम्म ४ चंगुणा लाथोव सति कोन्हु डोय लास्यं वम्ववटक छियाङ... ... छें जयत पडियास भोन्त श्री जयशक्तिदेवस श्री अनन्त-मलदेवस डोय हवः ॥

४१ क

**जयतुंगमलदेव**

स ४१७ माघ शुक्ल दितीया युथ्यनिमं श्री जयतुंगमलदेवस वो भोंत जयशक्ति प्वहस वातोसन स्वंखा हाथार चलरपका वनेऽन्हु-नचाल्पका लुन्ह लुद्तिया मचोया यद्तं हाथार फुङा ।। ।।

**अनन्तमलदेव** ४० ख

स ४१७ आषाढ शुक्ल पञ्चमी श्री पशुपति भटारकसके ध्वजा स्थापित श्री अनन्तमल-देवस्य विजयराज्यः ।। ।।

४० ख

स ४१९ भर्द्प्द शुक्ल त्रयोदशी बुध वार कोन्हु तिपुर ग्वद्त भ्रिभेसनतंङ यङ्गल यम्बु फनपि थ्वते ग्वद्तयाङ वंप्याछें जाखा दिवस ।।

४० ख

**जयसीमलदेव**

सं ४०८ मार्ग शिर शुक्ल प्रदीपदा श्री जय-सीमलदेवस अस्त दिनः ।। ।।

**जयतारि** ४० क

सं ४१० फाल्गुण कृष्ण प्रदीपदा जयतारिवस्य लिं तेल नत क्वाठकाया बुगन्देवल पयिसर-पम्भण्डार दुंता । ग्वल्वंस पछिमद्वारण दुम्विस्यं थवलान अकालविस्यं स्वान छायाङ प्रहाथ पछिम द्वारस तया थ्वलिव गामद्वाको मचोया लिछियत्तं सगत्रयाङमाङागत्तम चाल्व ।। ।।

**जयानन्द** ४० क

स ४१३ श्रावण शुक्ल त्रयोदशीचा पलाखचोस वंधनस चोङ्ख जयानन्ददेवस थव वलन मुक्ति-जुवटों । लिचोस जयशक्तिदेवस पलाखचो वंङ ल्हंङ वुनिवद्तकंता

४० क

टो

४० ख

**अभयमलदेव**

स ३५२ चेत्रादि श्री अभयमलदेवस विजयराजे महा-द्रुभिक्ष तण्डुल कुडव द्वय दम्मन लवना तेल प्ल मेकं लु प्ल मूल्य दम्म प्ल २ ।। टाह कर्ष दम्म २० पद्तिपाद दम्म ७२ खष्ट खण्डा दम्म २४ दक्षिटो जुवलोक क्षय जुव त्रिभागस छ भाग थ्व क्षणस पलाखचो श्री उदयशीहदेवस महाथ उदमाल भास तिपुर ग्वद्त भोंतपन्त, । वद्य नवक्वाठ फनपीछि-पन्त । थ्वतेस संङा धाद्तकरवा पलाख-चोन । लिस्यवेङाव चण्डेस्वर चोस क्वाठ भङ वोनाप्यायात काया थ्वलिव जेवच्छ मण्डलीकन लुंकास्यं पलाखचोटो बुसोया धूनीतल मचोया ।।

३९ ख

**जयतुङ्गमलदेव**

क. सम्बत् ४१६ मार्गशिर शुक्ल त्रयोदशी अनुराध

३९ ख

घटि १७ शुल ३७ अंगार वार श्री श्री जयतुङ्गमलदेवस्य प्रथम पुत्र श्री श्री जयरुद्रमलदेवस्य जातः ।

ख. तस्य पुत्र जयवीरमलदेवस्य अस्तः सं ४४४ पोष्य वदि १२ ।। ।।

४० क

**जयसीहमलदेव**

स३

ख ३८

....शुक्ल सप्तमी.....याङ ....चाकल गसनपुङ श्री जयसीहमल-देव....।

३९ क

**जयदेव**

सं ३७६ द्विराषाढ शुक्ल द्वादशी श्री जय-देव सजस...टुठिस नागपटा बन्धन विधि विधान.....थ्वया सम्बच्छ श्रावण शुक्ल द्वादशि श्री जयदेवराजासवुं ऐन्द-लस पशुवन्ध जुरो उदयात्पर घटि १८ ।।

३९ क

**जेदेव**

सं ३७४ अशुनि कृष्ण द्वितीया अश्विनी हर्षन आदीत वार ग्वलंढछे आदिन पाटा-

वन्ध श्रीजेदेव रायस उदयात्प्र घटि ६ . . . माल्यपत्र छत्र: हीराधार छत्र फुकन छत्र कनक डण्ड छत्र शींह ध्वज: ढाक २ खिजा ८ तव काहलपा १६ ककाहल २४ . . . .

३९ क

गुरी छेश राजासन खण्डखण्डा गाहल्हाय ।। पाट कोटो गैम्बत भद्ताद्तिसके ।। गोती पतिस्यं कोटाय ।। ।।

३९ ख

स ३६२ माघकृष्ण पञ्चमीचा तव च्वाप्वं गाक्व न्हसन्हुलि छिकोथ्यं ग्ययसु शिक्व ।।

३८ क

सं. ३६४ आषाढ कृष्ण अमावाशी तवक्वल वो सवव प्यंन्हुछेनंपींलुयेमजोव महामारी दुभिक्ष-जुव: ।।

३८ ख

स ३६६ मार्गशिर शुक्ल सप्तमी कंपा हाथार भोयो-थलि टोवव डोय फुङा तलग्वण्ड व्यंङलि जय जुव: ।।

३८ ख

स. ३६२ जेष्ठ कृष्ण चवदश उभय भ्वन्तन चाये क्वाठ वाहन काया ।। ।।

३८ ख

स ३६२ द्विरांषाढ कृष्णाष्टमी गुन्दे क्वाठ गोछे क्वाठ चाल्व क्वाछें कितपाल भारोस ज्वंङ हावढिङा श्रावन शुदि १ वन्धन मुक्ति यथ-भोत जद्त प्वहस पिंलीया तिपुरण ।। ।।

३८ ख

स ३६५ पोष्य कृष्ण षष्ठी नवक्वाठ कन्हहुदेवस अस्त दिन: ।। ।।

३८ ख

सम्वत् ३७५ श्रावण कृष्ण सप्तम्या भरणि अङ्गार वार युह भारोसनो काषभारोसनो खुस्यं वंडा श्री जयशीहमलदेव प्वहस पिलिया ।। ।।

३८ क

स ३७४ आश्विनि कृष्ण चतुर्दशी चानेपिं टोखा भ्वन्त श्री जयदेव प्वहसन क्वाठस चोंग्व लुविस्यं कूलनकाया ।। ।।

३८ क

स ३७५ आषाढ शुक्ल तृतीया पुनर्वसु सोमवार: जोगध्रुव: तव भुकम्प वव: बालछि टोलि-छिवु पिंडङ देशत्वद्गतं माङा । अनेक देव-लछें डोक्व । विजयराज श्री अभयमलदेवस आदिन प्रजा शिक्व त्रिभागस छ भाग ।।

३८ क

**जयदेव**

स ३७६ माघकृष्ण तृतीयाचा निपीं क्वाठ काया श्री जयदेव प्वहसन सन्तीलिकाया श्री जयभीमदेवसन चोछं आसनंद भाटो चेस्यं स्याङा ।।

३८ क

**अनन्तमलदेव**

क. सं ३७० मार्गशिर शुक्ल चतुर्थी श्री अनन्त मलदेवस जो भाटों काय भासयु थोनिमं क्वाठन पिलिया ।

ख. श्री जयशीमलदेव प्वहसन भोंत फुभासवो जौङा ।। ।।

३८ ख

स. ३८६ मार्गशिर कृष्ण षष्ठी पूर्वाषाढ नक्षत्र प्रीति-जोग चन्द्रवार श्री जयसीहदेवस्य पुत्र श्री जयतुंगदेवमलदेवस्य जात: अस्त वर्ष ४६ मा ५ जेष्ठ शुक्ल षष्ठमी आदीत वार बेला सन्ध्याबेला ।।

३६ क

स. ३९६ पौष कृष्ण अमावास्या रावुत श्री जेतशीह भारोस पुत्र जोतन श्रीह रावुतस जात

३६ क

स. ३८१ जेष्ठ कृष्ण त्रयोदशी श्री जयसीहमलदेवस्य सङ्गनी पुत्र जेतराम रावुतस जातः । अस्त वर्ष ५२ वेशाषकृष्ण तृतीया आदीत वार रात्रिस युथुनिमं डोयिनी माम नामदेवीसके स्याङा तेजमाल राबुतस्यं ।।

३६ क

स. ३९६ वेशाष कृष्ण षष्टी श्री जोराजः जयादीतदेवस्य पुत्र श्री जयशक्तिदेवस जातः । अस्त वर्ष ३९ मा ५ कार्त्तिक शुक्ल षष्ठी ।। ।।

३६ क

स. ३७९

३६ क

कार्त्तिकृष्णकृ अमावाशी ग्वलंस केलास पूजा याङाक संदेशामाक्व ब्राह्मनसनः ।।

३६ ख

स. ३२६ पोष्य शुक्ल त्रयोदशी श्री जयसीहमलदेवस्य पुत्र श्री जगतदेवस जात ।। अस्त वर्ष ३३ मा ४ चित्र शुक्ल सप्तमीति पुस्करजोग ।। ।।

३५ ख

३७० कार्त्तिक कृष्ण द्वितीया श्री जगतमलदेवस्य पुत्र श्री जयकीर्तिमलदेवस जात । लिफिसन जात्रा यातवया ।। ।।

३५ ख

स. ३७४ जेष्ठ कृष्ण चतुर्थी श्री जगतमलदेवस्य पुत्र श्री जयन्तमलदेवस जातः युवराज वर्ष ५ ।।

३५ ख

स. ३०३ तम दशमी श्री अरिमलदेवस्य पुत्र श्री अभयमलदेवस जात । राज भोग वर्ष ३९ अस्त वर्ष ७२ मा ७ आषाढ शुदिमष्टमी ।।

३५ ख

स. ३९६ माघ शुक्ल द्वादशी पुनर्वसु प्रीतियोग बुध बार श्री अनन्तमलदेवस्य पुत्र श्री जयारिमलस जात ।। अस्त वर्ष ६९ ।।

३५ ख

स. ३६७ अश्विनी कृष्ण

३५ ख

नवम भ्वंत रावुत यंटाछें भारोस जात ।।

३६ क

स. ३६४ कार्त्तिक कृष्ण तृतीया श्री जेदेवस्य पुत्र श्री जेतकेशदेव जात ।।

३५ क

स. ३०३ चैत्र शुक्ल त्रयोदशी नरसिंहदेवस्य पुत्र श्री रामसिंहदेव जातः ।। डो ठाकुरः ।।

३५ क

३४९ वेशाष कृष्ण नवमी श्री जगतनेकमलदेस्य पुत्र श्री जयशीहमलदेव जात ।।

३५ क

स. ३६६ वेशाष शुक्ल पञ्चमी श्री राजदेवस्य पुत्र श्री अमन्तमलदेवस जात ।। राजा भोगवर्ष ३५ मा ११ श्रावण कृष्ण त्रयोदशी अष्ट दिनः ।। ।।

३५ क

स. ३४१ चेत्र शुक्ल षष्ठी श्री अनेखमलदेवस्य पुत्र श्री अनेखभीममलदेवस जातः अस्त वर्ष २५ फाल्गुण कृष्ण पञ्चमी ।।

३५ क

स. ३४७... ...शुक्ल द्वितीया श्री अनेखमलदेवस्य पुत्र श्री इन्द्रदेवस जातः अस्त वर्ष २१ अश्विनि कृष्ण षष्ठीमी ।।

३५ क

स... ... ... ...ज्येष्ठ शुक्ल प्रदीपदा श्रीज

३५ क

य भीमदेवस्य पुत्र श्रीजयादीत युवरायस जात ।। ।।

३५ ख

सम्वत् ३४० भाद्रपद शुक्ल अष्टमी तव क्वल वासव बु दिनसं न्हुछेंनलगम जात ।।

३४ ख

सम्बत् ३५७ माघ शुक्ल द्वितीया श्री अनेखमलदेवस्य पुत्र श्री इन्द्रमलदेवस जात ।। अस्त वर्ष २१ ।।

३४ ख

स. ३४८ मार्गशिर कृष्ण प्रदीपदा श्री अगनकमलदेवस्य पुत्र श्री राजदेवस्य जातः अस्त वर्ष २१ भाद्रपद शुदि ११ ।। ।।

३४ ख

स. ३४२ चेत शुक्ल षष्ठी श्री जगतकमलदेवस्य पुत्र जगतमलदेवस जात ।। अस्त वर्ष ३१ मा १ अशुनी शुदि ८ ।। ।।

३४ ख

स. २२– चेत्र कृष्ण चतुर्थी क्वाछें अनंतपाल भारोकस्य पुत्र कीर्तिपाल भारो जातः ।। अस्त वर्ष ४१ ।।

३४ ख

स. ३५३ भाद्रपद कृष्ण नवमी डोय श्री नानेदेवस पुत्र जात श्री अर्जुनदेव ।। ।।

३४ ख

स. ४५८ वेशाख कृष्ण दशमी श्री जयदेवस्य पुत्र श्री जक्षमलदेव जात ।। अस्त वर्ष १९ मा १ ।। ।।

३५ क

स. ३७६ वेशाख कृष्ण द्वितीया जिलावुक्वटों श्री जेदेवराजासवो व्हंङ योग्वन्हु याङ तस्यं श्री जयशीहदेव प्वहस खप्व दुतीया दिवस ।। ।।

३७ क

स ३७६ श्रावण शुक्ल अष्टमीचा भोन्त श्री जयभीमदेव पहसन श्री युराभारसन भण्डसालस जाया तव २ मिपिलिस्यं हङा तलवस्तु लुन्हु

३७ क

पंकाया यंबु यङ्गल वो युराभारसवो छिवी तिपुरराज कुलवोम निगलवोछिवीत्यं खोशीधारे लाडव जासन लिव ।।

३७ ख

स ३७७ मार्गशिर पूर्णिमा मृगशिर आदीत वार उद्यात्पर घटि १९ वृष लग्न श्री जयदेवराजास ग्वल्वं राजलखुं समन सरपट तन्त याङा विधान यावं प्रजा भोद्तु वियमाल्व शिलोल्वाच माल्वः सालोठय माल्व थंकुलुं गोतया मौपसा मुकुलं गोतया भेनसा ओ वेरस थ्व गोत पनिस्यंद्त डोकालीयतेवः महाथसालेपी भाम्रगाहपी खण्डागाहपी पतीहारपी कठियापी उपाध्याछि जोतिकछि कद्तिहामाछि देवसछि थ्वते वंसाहु सवय ।। पाटन छुक्व राजास सूतक चोंत्रे राजवाशस ।। राजास टोटवाढ जुकाले प्रजानल्हुयगोत्रं दान जुरो ।।

३७ ख

स ३७८ चेत्र शुद्धि त्रयोदशी हस्त बुध वार श्री जयभीमदेव राजासवो श्री जयशीहमलदेव जुवराजस वोङ भेसन पलखचोदेश तेल चोङा चा धा... ...याङाव बुङवो मीं यछिनिक्व।।

३६ ख

स ३७९ कार्तिक कृष्ण दितीया श्री जयशीहमसदेव जुवरायसन दुसंत्रकं चाया क्वाठकायास नियल स कुलाह तेज भारो राजकुलदेक वजलब्रम राजा लंखिधर रावुत माधव भारोङा जगत जसमाल भारो थ्वतेस्यं बु वलतङाः ।।

३६ ख

स ३६४ जेष्ठ कृष्ण प्रदीपदा खंडाधार गुंस डोयला-
सन वल्यं धाहु याङ तलम्वण्डथेंडा व्हल
आहु रामसिंह राजा सकटक: चोछें जगत
ब्रम भादो धा–

३६ ख

न्ह्नु सडव। लिजजय जुव जात्रा
याङ लास्यं वया राजा श्री अनर्थमलदेवस।।

३७ क

स ३७६ अशुनि शुद्धि चतुर्थी वहारक्वाठ कूलयाङा
भ्वंत श्री जयभीमदेवस युराभारस पिल्लीस्यं
हया ।। स्वन्हु लिव श्री ज्ञशिमालप्वहस्यं
नन्दललून्हिपा ।। ।।

३७ क

स ३७७ अश्विनि कृष्ण द्वाद्रशी श्री जयशीहमलदेव
प्वहसने पीं क्वाठ दुम्वाया दिनः ।। भ्वन्त
श्री जयभीमदेव युराभारसन कासन तालि-
कास्यं ।। ।।

३७ क

**रिपुमल्ल**

स ४३३ फाल्गुण कृष्ण पाडो खशिया राजा
रिपुमलन बुगस न्हवन याङ सप्त आदिन
दुता ग्वल भाप्तस प्रसङ्ग यन्देतस वाप्तं
सवती भोज याङा दिन १८ वसरपा लिस्स
।।

४३ क

**जयरुद्रमल्ल**

स ४३३ वेशाख शुद्धि नवमी शुक्र बार
डोन थ विज्याङा श्री जयरु (द्र) मलदेवस
चनिग्ल महाजात्रा याङ विज्यावकाटों वि-
ज्याङ दिन १० रावुत जेतराम भारोस
काय तेजराम भारो...छे...खन...रो...व
भारो खनि मन्दात भारो थ्व ङंम्हं मि मि-
ल्होस्यं स्याङा च्यन्तयावब पगलछें श्री राज
रहस्यति द्विजसन जुरों ।। ।।

४३ क

**जयरुद्रमल्ल**

स... मार्गशिर शुद्धि तृतीया स्वंपहरस भोंत
तङं... त्रिपुर खंडन... जुव्र चोछें गाज...
नमुल मीज शीहु खास अल्पान एक पन
अङ्क ६० विजयराज श्री जयरुद्रमलदेव
सखा स... ...श्री पदुम्लदेवीस ।।

४३ ख

**जयशक्तिदेव**

४३१ माघ कृष्ण चतुर्दशी स्वं पहर वेरस
यप्त डोयन दुं चाल्य कोठ टिवि... मनिग-
लटो तेलव लुयिती गजुप्तिदेव तम्वकं सहया
ब्राह्मणस पात्र समस्त वन्धीहयागलेंन दिश
थो सरपा थ्वतेस डण्ड कासन कटकन ग्रास
माक्व। मार्म्यपाट समस्त सेचोभा श्री नेत-
नदेवस श्री जयशक्तिदेवसमग चन्दश कोरव-
तस थ्वते बुन प्वंस डोयन वोङ ताडोय वीङ
हव श्री जयशक्तिदेवस ।। ।।

४२ ख

**जयशक्तिदेव**

स ४३२ कार्त्तिक शुक्ल द्वादशी उत्रभद्र रवि
वार कोन्हु वंश समस्त देवालय आदिन
अग्निडाहयाङ धाशुषा जयशक्तिदेवस... ...
बिस्यं याङा प्रजा समस्त वो... ...

४२ ख

कोन्हु ग्वलया

सर्व्व भण्डार कोस एक वीस सन यंडा थ्व-
लिव सङ्गतनं थ्यना वसन्धानंतरीटाम्वण्ड
त्यङा फाल्गुण शुक्लाष्टमी... ...ङ्ग्वलिस
राजयाय मपवास्यं ।।

४३ क

**अनन्त मल्लदेव**

स ४२७ श्रावन शुद्धि सप्तमी श्री अनन्त-
मलदेवस प्रभूतन थव भण्डारिगण भारो
पशुपतिसके दुन्तं भण्डार पिङ्काया तिपुर
सोस्य देव भण्डार लिका ढरपं श्री पशुपतिस

डोहोरपा भोंत वङ दं चिलींव अभाग जुवटो प्यंन्हुटो संस्कार मजुव यंवी... लल्लुर्न्न राजदीपयङा टों थ्वनलिस भ्वंतया ग्वलं आय मथ्या क्वटों ।।

४२ क

**जयशक्तिदेव**

स ४२५ चेत्र कृष्ण चतुर्दशी शुक्रवार अस्ति-मटों तिपुर तिभेयं स्वदेश थ्वते पंतछि यंङ जाप वङा श्री जयशक्तिदेवसनुपीं पोल तिपुर खण्डन बुक्वा यथो विहार गन–

४२ क

ण्ड मलन

देवस पण्डु भास खण्ड डेङा क्वसं म्हं ५० हु थो योटामलन देवस पाप्तिगाहरपं यैल्यभ्वण्ड डेङा ।।

४२ ख

**जयशक्तिदेव**

स ४२७ पोष शुक्लाष्टमी वंप्पाछे क्वाठ कुलनन्हिनस चाकला श्री भोत जयशक्ति देवसन कुलि दंङा वडं म्हंस निव थमु वङा कूलिजास्यं जयशक्तिदेवस कुलयाक्व जयचन्द फनपीन वव । क्वाठ नायक शिरकेश मूल-मीस अस्थान सङ्खरल्वाङमाङा थ्व सकोचन च्यान्हु लिव मोक्व

४१ ख

टोपप्त डिन ठङाओ ।। ।।

४२ क

**जयतुंगमल्लदेव**

स ४२८ चेत्र कृष्ण त्रयोदशी... थोचा स थाकन थ्व क्वाठ जाकोन्हु वुं तिपुर श्री जयतुंगमलदेवसन थ्व सम्वच्छस बु...क्वाठ नवलिङ्ग क्वाठ नवक्वाठन चाल्यका भोन्त लकस चाल्व ।। ।।

४२ क

**गोपालचन्द**

स ४६० पोष्य वदि ८ भोंत कस्त भाटों पौलिहा तिघुरन दुन्तन्या गुन्हुलिवटोंखा राजल्हामाटो खुन्हुलिव जोग्राम मुलमीस श्री गोपालचन्ददेवस वंङ टोखा कूलनकाया सन्ती तिपुर हाथार वंङ लिकाया दुन्दङ चोङ्ग्व समस्त लाङा अफप्त सडम्हं २० श्री गोपालदेव सम्बण्डडेङा जोग्राम मुलमीटो ज्वंङहा ।।

५० क

स ४६१ आषाढ शुद्धि १२ तवक्वलवास वव: देशस भरर पंजुक्व ।।

५० क

**देवलदेवी**

स ४५८ पोष्य वदि ७ श्री देवलदेवि ठकुरि-णिजुसन थ्व स्पष्ट अराम मुलमीस थयित भाटो वाकाय डोसारल्हाय धास्य कूठिसह ढिङा वने थ्व पनिसेन प्यको राज थमु विज्याङ काया थ्वन प्यंन्हु लिक्चा थ्वसं तिभय

४९ ख

यम्वी तप्तकोसस्याचका समस्त लोक कष्ट जुवं थ्व व्यंतयाक्व अनेखराम महाथस ।। ।।

५० क

**जयार्जुनदेव**

स ४५८ माघ शुक्ल द्वादशी पुनर्वसु नक्षत्र आयुष्मान योग सोम बार कुम्मस अं:आ:रा: मिथुनस वृ: चं कन्या के: विछ श: धनु शु: श्री जयराजदेवस प्रथमपुत्र श्री जयार्ज्जुनदेवस जातवंध: ।। ।।

५० क

**जगतसिंह कुमर**

क. स ४५७ जेष्ट कृ–

४९ क

ष्ण अमाबाम्या कोन्हु तिरहुतिया जगत-

शिह कुमरस मनिगलस दुन्ताटों संती गोपालचन्द कुमरटों पिंलुया थ्व व्यन्तयाक्व अभराम मुलमीस थयीत भास उभे ।

ख. संती वुगङ लितं यातयाङ तत्र तवमीं समस्त वंङ लसासन मनिगजस दुन्तं गोपालचन्द कुमरस वयतिसनयपी सतवटों ।

४९ ख

**फनपि महाराबुत**

स ४५७ श्रावण शुद्धि १ फनपि महाराबुतस अस्त दिन ।।

४९ ख

**पदुमलदेवी**

स ४५२ फाल्गुण शुद्धि ३ वम्वीगोछे जो तनभास क्वाछें राजेन्द्रपाल भास चोछें अंपुटिभास श्री पदुमलदेवी ठकुरिणिजुसन छय जीरिसलागरयं पुंलिया दिनः ।। ।।

४९ ख

**अभेराम मुलमी**

क. स ४५६ श्रावण शुदि ४ तिपुर राजाकुलवो अभेराम मुलमीसवो थयित भाटो छिपतयाङ न्हुनथं प्राकार अन्तर उभय खान्हु थ्व कोन्हुं चनिगल सुगलढ्वाखास वलन खाखन्दवा थम्विनन्न खन्द वव गालीस्यं दृस्यं हङ थ्वया निमितिन हाधार दल वसन प्यंङा तिपुकोछेलाछस खण्ड लाडव फुङन प्राकारण पिलिस्यं हङा

ख. भिं शिक्व उमय पखन १२ म्हं थ्वतेस कोला क्वल्हाल्हाहास व्राह्मणसन मडोबथेस उलगाहरपं एक सरसनल्हा सनसन्दि डोव कतिलागाक्व अष्टिङ्कोन्हु । प्रजा समस्त वुछिजुसन राजकुलजानारपं ।। ।।

४९ क

**देवलदेवी**

क. स ४५७ कार्त्तिक शुदि २ अभराम मुलमीसवो अनेखराम महाथसवो गोकर्णस डोसन दिन ४ लिव यम्वु यथोवहार क्वाठ पुङा तिपुरया ।

ख. दिन गुंन्हु कोन्हु चाल्व दिन २ लिव युविनिमं क्वाठ पुङा दिन खुन्हुलिव चाल्व दिन ४ लिव नन्दलक्वाठ पुंङा मचाल्व थेको लाक्व ल्हालनः थिंसला गाक्व पाडो कोन्हु अभेराम मुलमीटो युथुनिमस सवावटों दिन खुलिव यंटा क्वाठ ठोङा दिन लिव श्री देवलदेविसके सवालाक्वटो अभेराम मुलमीसन दिन २ लिव वंटा–

४८ ख

पीठिस सवद जुव भ्वन्त अनेखराम महाथ मास अभेराम मुलमीस थयित मास दिनस सवद जुरों ।। ।।

४९ क

**जशीहदेव**

स ४५४ द्विराषाढ वदि ११ नवक्वाठ कुल याङा जशीहदेवसन गजयाला सः ।।

४८ क

**खशिया**

स ४५४ भाद्रपद शुद्धि ७ थयित भाटो यप्त दुंविया सरवुपतिराज टो दुम्वी चमलाक्व खशियान स्याङा एकतन अङ्क ४० च्यतला गाक्व पाडो कोन्हु लासा वङ् ग्वलिस डण्डकास्यं निसङ्का मेचोया खशियानं।। ।।

४८ क

**जंसिह देव**

स ४५४ दिराषाढ वद्वि ११ नवक्वाठ कुलजुवग जयाकाय रोहिदाश कुमर–

४८ क

या लसक

जंशिहदेवस्यं तिपुर वाल्हास्यं लिचो माछम्वाङ थमु राजयाङा थ्वतेस पीलालिव गज थंलुवस्यं तिपुर भोन्त मनिगल फनपि थ्वते

छिपन्न याङ नवक्वाठ पुद वंडा मचाल्व लिन: गजलास्यवंग्वस्यलागाक्वतीप्ति शिकोन्हु ।।।।

४८ ख

**देवलदेवी**

स ४६३ भाद्रपद शुद्धि २ थ्वचा यङ्गल पीं क्वाठ कूलन कायान संङाव शनिश्चरवार भोन्तन कालु ववश्रिय ह्मखकस्त भाटों टोंखान यंखलं पींस मिलरपरययाङ वल्यं द्वाम्ह देशशीस चंगुण्डोय वाडोयाव कस्त भाटों ज्वंङ वंङा चंगुस तवटों प्यंन्हु लिव श्री देवलदेवीसनका सनता क्वाठलितं कस्त भाटोंलिकास्यं उछाहयाङ हया ।। ।।

५० ख

**जयारिमलदेव**

स ४६४ अश्विनि शुद्धि ७

५० ख

स्वंपहूरस

तव भुंकंप वव: थ्वसंती ग्वलंस श्री जयारिमलदेवस अस्त: ।। ।।

५१ क

**जयशिहुदेव**

स ४६२ माघ वद्धि १३ नवक्वाठ जयशिहुदेवस कूल–

५० क

न स्याङा काय जगसावंतस्य थमु राजयाङा ।। ।।

५० ख

**गयना मुलमी**

स ४६२ फाल्गुण वद्धि २ डंवोगप्त प्राकारणडों सों यिछया क्वाठ नायक गयना मुलमीसन अंका पाट ९९ आढन खण्ड फरिस जुन २२० ।। ।।

५० ख

स ४६४ आषाढ वद्धि ४ स्वटछे जंतकासकाय गुदन्दव यिनाय डोंस खास जेंधकं वोङ वंङ स्याङा पयती न्हु सत्यङ काया सरवुजुस काय सङ्गरवतन: ।। ।।

५० ख

**जगमहासांवन्त**

स ४६५ कार्त्तिक वद्धि ५ नवक्वाठ जगमहासांवन्तटों तिपुरस सवावया दिन: ।। ।।

५१ क

**कंसान क्वाठ**

स ४६५ पोष शुद्धि ३ कंसान क्वाठ भंङा दिन ।।

५१ क

**भैरवनन्द**

स ४६५ वेशाष शुद्धि ३ तलमण्डे यटामडो ध्वजा छाया जजमाम यछु भैरवनन्द शरवुभटों थ्वस थ्वसलनिस प्यंटस्याक्व रोगण पुङ्ग्व मरास्य अस्त ।। ।।

५१ क

**अजयराम छोट महाभास**

स ४६५ फाल्गुण शुद्धि १० पलाखचो क्वाठ वाङ अजयराम छोट महाभास तिपुर वया दिन: ।। ।।

५१ क

**देवलदेवी (?) – वंता भारो**

स ४६५ भाद्रपद वद्धि ७ वहार क्वाठ कुलयाङा वंताभारोन भोन्त विया कुल चाकोन्हु बु तिपुर हाथार वंङ चाकलान्हानो चानो पुङतस्यं दुल्लु पिल्लु मद्वातंङान जिम डंन्हु कोन्हु कोलाक्वन चाल्व लिलायाव खण्ड स्वङा श्री ठकुरिनिसन क्वाछे वनि गोछे चोछें एकसर समुचय सम–

५१ क

स वियाचावो तव वोनम्हं ७ ।। ।।

५१ ख

**राजल्लदेवी**

स ४६७ पोष्य कृष्ण दशमी अनुराध्र श्री नायकदेविस पुत्री राजलदेविस जात दिन १० लिवमान नायकदेविस अस्त ।।

५१ ख

**उदयपाल मुल्मी**

स ४६२ मार्गशिर शुद्धि ७ अरुणोदय वेलया उदयपाल मुल्मीस अस्त दिनं ।। ।।

५१ ख

**पशुपतिमल**

स ४६४ चेत्र शुदि ३ जोग्राम मूलमीस सहजमूलमी थ्वते उभेजीसन पशुपतिमलस ज्वंडन्न कपन क्वाठनतो पंपाल्यकं तिपुरस दाहयाङा ।। ।।

५१ ख

**श्री देवलदेवी**

स ४६७ अश्विनि शुद्धि ३ श्री देवलदेविसवो अनखराम महाथसवो जीस्यं मनिगलया राजकाया मुप्तिखा कितपुरि वलम्बु येटा क्वाठ रव्वयंप: ।।

५१ ख

**पशुपति**

स ४६८ फाल्गुण शुधि ८ तिपुर भोन्तजासन श्री पशुपतिसके कोष दुन्ते दामहेया थवथव राजसमींह्यम्प्रति दम्मछिलिछिबु: ।। ।।

५१ ख

स ४६८ फाल्गुण वद्धि १० सङ्क्रान्ति कोन्हु तव च्वाप्वङ्गाक्व देश

५१ ख

को थ्येग्व ।। ।।

५२ क

**पशुपतिमल**

स ४६८ जेष्ठ वद्धि ८ पसुपति मलटोय... कास्यं ज्वङह सन भुङ लछ क्वाठस धंता-

टोंमा मोसनपं ।। ।।

५२ क

**राजदेव + देवलदेवी**

स ४६८ भाद्रपद शुद्धि १३ श्री जयराजदेवस ग्वलन्स गण्ढ थाचकाटों श्री देवलदेवि विसगनमवजो कं सरवुजुस प्रभुतन थम लुंकास्य थ्व क्षनलिसनि थ्वन्तया ग्वलं आयघ्या क्वटों ।। ।।

५२ क

**कोष**

स ४६९ कार्त्तिक शुक्ल पूर्णिमा कोन्हु कोष दुन्ता ।। ।।

५२ क

**पशुपतिमल**

स ४६९ मार्गशिर शुद्धि १२ श्री पशुपतिमलस वहर्दनसबु अस्तम दिन ।। ।।

५२ क

**सुल्तान शम्सुद्दीन**

स ४७० मार्गशिर शुदि ९ स्मसदिन सुरतान लिवस्य समस्त डाहरपा दिन ७ माक्व ।।

५२ क

**जयराजदेव**

स ४७० पोष्य शुद्धि २ अनेखराम महाथसन कालमण्ठिलियधासन सरवुजुटो कस्त भाटो व्यनाप्पा व्वोङ ङ श्री जयराजदेवसनो वैयकं म्मोद्तन थह्मया आलोच विना पछोथास चायामान सर्वे... ...

५२ क

... ...याव एकसर प्रजा एकसन अंङ काठरयं उदोतन डुयिनि... ... भैरव... ...मनि गलजुस्यं थ्यमीस जास्य लुप्तियाङ क्वाठ डंङा ।। ।।

५२ ख

**जयत मुलमी**

स ४७० माघशुदि ... ... जयतमुलमी ... ... लमीटों सदाश थ्वमनिश अजोगु जो धागी स ... ... खंलासां सति ... ... कोन्हु धारस थंङ ... ... चाल्व खमसकोसडिको क छोट-नम ... ... अबस्था ॥ ॥

५२ ख

**अनेखराम महाथ**

स ४७० फाल्गुण शुदि २ अनेखराम महाथ ... ... ळेंपाट उपर पावसयखि न आदिन ... ... नपुङा दुवु क्वाठ नामक रत्नपृखि ... ... ...

५२ ख

... ... ... ... ... ... ... ... ... ... ... लनवुत प्रस्थावसनि सखनामकसन व आभा-सन ... ... ॥ ॥

५३ क

**सरवनामक**

स ४७१ पोष्य ... ... ङावहार ङङाओ तनाप थोवहार वा ... ... सखनामक ... ॥ ॥

५३ क

**क्वाठनामक अनेतवम्म**

स ४७२ पोष ... ... क्वाठनामक अनेतवम्म कस्त भास दन्द ग्व एक ... ... थ्वते ... ... पति ह ... ... हवपादम्म ... ... ठनक ... ... ख ... ...

५३ क

ग्वभप्तिप्तिसा धमरें पनी सिकोन्हु पिं मुक्ता-रपं हंङा कांसन मगाचकं थव न्ह्यव वतर छोप्तप्तयं सास्याचक कामका महाथस्य ॥ अपवाद पाप वोन मचाल्व क्वाठ धोरोस क्वाठ डङ लिलाया रवुला लिव तिपुरण कास्यं ठोङा ॥ ॥

५३ ख

**यंत भारो**

स ४७३ फाल्गुण वदि ५ योन्थावहारस थव यंत भारो पनि ढिङ्ता लाहा भरिया दुगा-यीया सर वादल सास महाथ प्रमुख प्रधान हस्यं याथोवहारसपिं काखा समस्त वुक्व सास महाथ लाङा नवक्वाठ हाथार जामा-चोन वंग्वटोंखान पङ सङ्ग छ जुवु मलेनकं कास्यं सस्यं हंङा सास महाथ प्रसाद विस्यं लेलेलन छोयाः ॥ तिपुरया जयकीर्त्ति ॥ ॥

५३ ख

**स्थितिराजमल्लः विवाह**

स ४७४ अश्विनि शुद्धि ९ श्री जयस्थिति राजमलदेव सको क्नम्वि ज्याङा ख्वपो न्दुम्विया त्यंखा चोन ङालालिव विवाह जुव ॥

५३ ख

**तव क्वलवोस**

स ४७५ कार्त्तिक शुद्धि १ तवक्वलवोस ॥ ॥

५३ ख

**दुवुक्वाठ**

स ४७६ फाल्गुण वदि १४ दुवुक्वाठ लिकाया दिन तिपुरण ॥

५३ ख

**अनेखराम**

स ४७६ दिराशाढ वदि ११ अनेखराम महाथसता दिवस ॥

५३ ख

**वंद्यं भाटोः द्वलखा**

स ४७७ वेशाष वद्वि ५ वंद्यं भाटो कूलन वोङ टींङा द्वलखास ॥

५४ क

**जेतपाल महाथ**

स ४७८ मार्गशिर वदि ३ नवक्वाठन पीलिहा जेतपाल महाथटो टोंखा ल्हाया ॥ ॥

५४ क

**नवक्वाठ**

स ४८१ चेत्र शुद्धि ११ नवक्वाठया सलं-क्वाठ ल्हासनता जोधापति क्वाठ ज्वड तिपुर पालवया । थ्वसनवु तिपुरस दोहयाङ थ्व क्वाठ वुलितयेङा नवक्वाठस ॥ ॥

५४ क

**पशुपतिवो स्थापना: जयसिंहराम**

क. स ४८० वेशाष शुक्ल दुतीया भग्न श्री पशुपतिस स्थापनयाङा दिन जयशिंहराम महाथ भासन ल्वहसाहरघा गण्ड गोमवथौचोस ।

ख. थ्व यज्ञस श्री जयार्जुनदेवसवो सङ्करदेविसवो राजासालावुथे ॥ ॥

५४ क

(१) स ४८३ पोष्य कृष्ण पञ्चमीचा तव च्वापोगाक्व देशस च्यान्हुमलङ्ग्व ॥

५४ क

(२) स ४८५ जेष्ठवद्धि १० क्षमशिकन ठोङा दिन ॥ ॥

५४ क

**देवलदेवी**

स ४८६ वेशाष शुदि ७ श्री देवलदेवि महादेवीस अस्तः ॥ ॥ भोगबर्ष ६६ मास ८ ॥

५४ क

**स्थितिमल्ल**

स ४८७ जेष्ट कृष्ण पञ्चमी चवु अङ्करामायन लेतया दिन । क्वयलापुमीशि कोन्हु शिद्धिफया कोथोछेसु जिमने खटहवा पण्डियायप्तं वाल श्रस्वतीस भरी श्री उपाध्याजुस जयतमूलस विजयराज श्री श्री जयस्थितिराजमलदेवस ॥ ॥

५४ ख

**धर्ममलदेवको जन्म**

स ४८७ प्रथमाषाढ कृष्ण अमावहस्या घटि ५३ आर्द्र घटि ८ व्याघात घटि ३१ आदीत्तवार वेलासम्प्र घटि २२ विघटि २३ श्री जयस्थितिराजमल देवस्य पुत्र श्री जयधर्म्ममलदेवस्य जातः ॥ ॥

५४ ख

**युविलछमंडौ ध्वजाछाया**

स ४८८ फाल्गुण शुद्धि २ युविलछमंडौ ध्वजा छायादिन यजमान दिवङ्गत युविलछदास मूलमीस काय्र पद्मसूलमीस किञ्जा जात्राम थ्रोजापलिस कृत: ॥

५४ ख

**जयार्जुनदेव + जयसिंहराम**

स ४८९ कार्त्तिक शुद्धि १० थ्वकोन्हु श्री जयार्जुनदेवसवो जयसिंहराम महाथसवो अपवाहयाङ ङंवोचालकं तिपुर दुम्वियादिन ॥ ॥

५४ ख

**उभयराजा**

स ४९० माघशु–

५४ ख

द्धि ५ संको गप्त चाल्व समस्त लुप्तियाङ मेचौया उभय राजास विज्याङ ॥ ॥

५५ क

**तवच्वापो**

स ४९२ माघवद्धि ३ चानस तवच्वापो गाक्वलिछिथ्य ॥ ॥

५५ क

**जयज्योतिर्मल्ल**

सम्वत् ४९३ वेशाष शुक्ल दशमी पूर्व्व फाल्गुण प्र उत्र फाल्गुणक्षत्रे श्री जयजोतिमलदेवस जात दिनः ॥ ॥

५५ ख

**स्थितिमल्ल**

क. स ४९० वेशाष शुद्धि ३ श्री श्री जयस्थितिराजमलदेवस यप्तं मनिगल स्मस्तसन जात्रा विज्याचकाटों लुटोरण वृन्दनमालखास्यं वंशाप्त लास्यं दु विज्याचकं मनिगलस तवतवमीस प्रमुख नायकसन लेचास्यं लुन अर्धयाङा स्येष्ठ प्रमुख जयन्त मूलमीस ॥ ॥

ख. थ्व दिनस वुतलमण्डे दुंव उदयस्वरणाम शिवगंठि पुन प्रचारयाङा अर्णवास आवनचेस्यं पीव दुवार ठेला हरण थंङा यजमान क्वाछें डोय मुल्मी ॥ ॥

ग. थोल वुग्वलम्भण्डारखुया श्री श्री जयस्थिति राजमलदेवसन यप्तंया प्रधान प्रधान खुंज्वीं-

जकंहस्यं वाप्तं पीण्टा खोशीस स्याचकं भण्डार श्री पशुपतिस डोहरपाटों ।। ।।

घ. थ्व सम्वच्छलस ग्रासस दीक्षा काया

५६ ख

मप्तिछें चकुतीजुसके द्विजराजजुस्यं ओखह्ना-नेनलिस राजकुलस पूजा भदो ओ सलाद्व: ।। ।।

५७ क

**स्थितिमल्ल**

स ४९२ वेशाष वद्धि आमावस्या कोन्हुचा चप्तखुनि थाने छेन वेयेटाङास याव ज्वंङाव अठकस वण्टासनिवप्तकं ढिङाताटों जर्यासह-राममथटो थ्व सम्वच्छल सवुदीतला थोव नवमी कोन्हु यप्तं प्रजा आदिन हाथार थ्यंमीस जाखा थे श्री श्री जयस्थितिराजम-लदेवसन थमु अगुमान याङ पिंपाल फुङा-मीशिक्व प्रधान नामधारी पात्रा दिन म्हं ५३ म्वसखाटो क्षदरपा थमु श्री श्री जयार्जु-नदेवस खोयंटा नयं प्रजा क्षदरपा इनिशिला छपालकं थेनिधर हरिजुव पींपाले मुहुर्त्त सोक्व यछु गोमीन्द भाटो थ्व मुहूर्त्तेन आमोद जुयाव श्री श्री जयस्थितिराज

५५ क

मल देवसन गोमाद भाटों लिला बव कटकस आगस अङ्कालविस्यं मानयाङ राज-कुल युदिगिटोंखंङा वरुसरपं तया ।। थ्व सम्वच्छलस वु गुणिलागाक्व अमावास्या कोन्हु महाथस वंधनमुक्ति ।। ।।

५५ ख

स ४९५ प्रथमाषाढस पूर्णन वापज्या धुग्व महनीटो वागास्यं मस्या छो वावा ।। ।।

५६ क

**एकाट विहार**

स ४९५ भाद्रपद शुदि मासस यप्तं एकाट विहारस हरशिद्धि भप्तोप्तिस खाक्व लेचा-

या ल्वाखन केक्वशींन ल्वहजुव ।। ।।

५६ क

**आकाशभैरव**

स ४९६ कार्तिक पूर्णमी कोन्हु पश्चिमा हरिपण्डेसन आकासभैरव चपाप्त आवन चेस्यं ध्वजा छाया दिन: ।। ।।

५६ क

**लुंतभारो**

थ्व सम्वच्छर (४९६?) वुवंटा क्षेत्र चपा-प्त नास्व आवास

५६ क

नो आवन चेया दिन जजमान, लुंतभारो चपाप्त मांधुर जगत: ।।

५६ ख

**चनिगल**

स ४९६ माघमासस चनिगलया ध्वाखा ध्वाखा नाना रसन ल्वहच्चीङारो सोरो-सन ।। ।।

५५ ख

**स्थितिमल्ल**

क. स ४९५ जेष्ठ शुदि दशमी हस्त शुक्र वार वहार क्वाठ डंङा श्री श्री जय स्थितिराज-मल देवस थमुटि ज्याङ क्वाठनामक शिव-दाश मुलमीस ।।

ख. ख्वप्वया गुणीपणी लितंने तीर्प्तिशिस चव-दश छिलुल्यं श्रवण नक्षत्र द्वाल्यं परं पारावु थ्व प्रमानन जुरों ।। ।। नवरात्र...

५५ ख

...जुकाले अमावास्यास स्वङादव तिपुरया वि मदो: ।। ।।

५६ क

**स्थितिमल्ल**

स ४९४ अश्विनि शुक्ल षष्ठी प्र सप्तमी जेष्ट अङ्गार वार कोन्हु श्री श्री जयस्थि-तिराजमलदेवस ख्वपोन विज्वाङा उभयदल वाजरपम्माल्यं स्मस्त खण्डन फुङ महाथटों

फनपी आदिपं भारो पनि लाङा ढिङा यदंतं पीथोवहारस जारवव महाथटों वुक्व ।।

५६ ख

**शिवदास मुलमी**

सं ४९६ श्रावण वद्धि ९ श्री राजकुलन ग्वाठं नेम ङ मेस समस्तलिस्यं हयाङ देशमा थ्यमी डोयया वावु न्होयका ओवुडाया डेडयाङा दाम प्ल १० थ्व दाम उपाध्यास वछि जसरवाटोटेया स्वप्ल ३ सखस नेप्ल २ थ्वनि प्रचित भेतरणयाङ येटा वनेया दम्म प्ल ४ थ्व कोजयाक्व शिवदास मुलमीस यत मुलमीस ।।

५७ ख

**ने.पं ४९७ धर्ममल्ल**

क. स ४९७ जेष्ट शुक्ल पञ्चम्या पुष्यनक्षत्र ध्रुवयोग बुधवार श्री धर्म्ममलदेवस वडुवर्ण दिनः ।। ।।

ख. थ्वनच्यान्हुलिव संपूर्ण कोन्हु महाथसा ला ।।

ग. युनिलछजोत्राम मुलमीटो जोधापतिसाला वहारछं सखुमास काय तेजराम भारो मुलमी याङा वालरामायन प्याखन ।।

५७ क

**जयकीत्तिमल्ल**

स ४९६ श्रावन कृष्ण दितीयास्त वृष नक्षत्र अतिगण्डयोग वृहंस्पतिवार वेला रात्रि श्री जयस्थिति राजमलदेवस्य पुत्र श्री जयकीर्त्ति मलदेवस जात ।।

५७ ख

**थुंदला व्येनाप्य**

स ४९७ एंदला गाक्व तीत्तिशि कोन्हु व्येनाप्य धनन्तीत लख्वयातयाङा ।। ।।

५७ ख

स ४९८ पोष्य शुक्ल चतुर्दशी रात्रिस देशको थ्यंङ च्वाप्वंग क्व ।।

५७ ख

**स्थितिमल्ल**

क. स ४९८ फाल्गुण वद्धि २ उत्र फल्गुण नक्षत्र शूलयोग आदीतवार श्री जयस्थितिराजमलदेवसन ध्वाकाफुस क्वाठ तितथं डंङ आवत क्वयकाः ।। ।।

ख. थ्वलास वुहरी पण्डेस्यं श्री अलागभैरवस प्रभा दुंता ।। ।।

ग. थ्वलास वुआ शिप्ति प्याखन हुर ववः ।। ।।

घ. थ्वलास तुं फिशिरि क्वाठंडो क्व भंङायं स्वदेश विठि वासां ।। ।।

ङ. श्री श्री जयस्थितिराजमलदेवस विजयराजस लिछि वुन्हीनो चानों खुं मदो जुरों ।।

५७ ख

**स्थितिमल्ल**

क. सं. ५०० वेशाष शुदि तृतीया रोहिनि सोम वार श्री जयस्थितिराजमलदेवस विजयराज । न्हेचामहास्यं माक्व यितीलखुं चोनकोयि थनिमं राजकुल लिवीयण्टाटोन यिती हायकापो १२ वल वलखाधर छास्यं थ्व सम्वच्छल न वुयेटपा

५८ क

८ तवधरछाया वालछिभ्यतरण सिद्धो ।।

ख. थ्व उल्हासन प्रजाभोप्त विया चानगलदेश छितिकती कुलस श्री उपाध्यास ठाकुरसन कुकावय भोप्तया अंगेरया उपाध्यास्यं थो ग्वप्त २२० मेसम्हं ३ जाके फुलकेसा चौ क्ये थुलंकंशी पतली छुशि वाल प्रति गाम प्रति थ्यंमी नवं येट पोट समस्तमी मुण्डीडीस्यं म्हप्रतिजाचे कुप्त १ ।।

ग. म्वाट मास वाफल १ चीसावेशवार लाथों छिवु अछिद्रयाङ संतोष जुयकं जेका श्री श्री जयस्थितिराजमलदेवस विज्याचकं प्रधान शिष्ट देव ब्राह्मण एकसर स्मस्तस विसव

मेस मुण्डी १ जाकेफं ३०० धरिपोट २०० फल्केफ १०० थ्वतेय अनुसारण सम्वृति जोती कस्त भाटो ल्हास्यं सुवारण भान सयाङ ब्राह्मनस भोगयेका तिभे ठाकुरस चेपयाचका समस्त आनन्दजुव काढा वयाक्व

५८ ख

क्वाछे डोय मुलमीस वंटा भारोटो दुंछें सखु भारोटों थ्व पनिसन श्री राजाजुस कीर्त्ति उपाध्या शीवदासजुस जस ग्यालंखा धरया जयत सुलमीस आदेश विया सिवकार वुजुव थ्व संचय आफन्द शोया वमङाव: ।। ।।

घ. थ्व दिन कोन्हु तुया वंयं थो वहिरिया गन्धु-प्तिम्भाप्त संथापरपा ।। ।।

५९ क

**स्थितिमल्ल**

स ५०० जेष्ठ वदि ३ थ्वप्वन्नं लख्वयात याङा पुवावोयमजीर न: ।। ।। थ्व दश वुग्वल दिगच पप्ति ज्याया चका श्री श्रीजय-स्थितिराजमलदेव प्रभुसन: ।। ।।

५९ क

**स्थितिमल्ल**

स ५०० वेशाष वदि अमावास्या सूर्यग्रासस दीक्षाकाया श्री श्री जयस्थितिराजमलदेव ठाकुरसन महादेवीस सहितन: गुरु श्री शिव-दास उपाध्यायजुस ।।

५९ क

**यण्टा यिती**

स ५०० आषाढ शुद्धि ९ हस्त सोम वार लिवी यण्टा यिती प्रतिष्ठा दिन: ।। ।।

५९ क

**स्थितिमल्ल**

स ५०१ कार्त्तिक: शुक्ल अष्टमी उत्राषाढा धृति

५९ क

योग आदीत वार फालुंक्वाठ पाद याङं डंङा श्री श्री जयस्थितिराजमलदेव स्वामिसन: ।। ।।

५९ ख

**स्थितिमल्ल + जयार्जुन**

स ५०१ मार्ग्गशिर कृष्ण द्वादशी स्वाति शोभन शुक्र वार कोन्हु श्री जयस्थितिराज-मलदेव ठाकुरस जयत महाथ भास प्रभुखन लिछिसम्मतन श्री श्री जयार्जुनदेवराजस थवराज विनाप्पा क्वाठ महाजात्रा याङ दुम्बि ज्याचका दिन । थ्वन नियेनेन्हु लिव-चा व्यसांवया गोकर्णक्वाठस विज्याङा जुरों। थ्वनन्तङम्हंमींवो भ्वाकचन वयकं महास-म्तापन प्वप्वंवया जुरों वया जुरों ।। ।। गुनिलानलिस क्यवला टोंवुं भानुस शिक्व द्वलत्या आक्षान: वामस्याचो सामा–

५९ ख

नं प्वंगाक्व के कोमलाक्व: ।। ।।

६० क

**स्थितिमल्ल**

स ५०१ माघ शुद्धि १२ मृगशिर अङ्गार वार श्री जयस्थितिराजमलदेवस आदिप ठकुरिणिस काय देव कुमरस स्वंम्हं सनप भ्विज्याङा श्री चङ्गुरूङ नारायणसके श्रधाहन पूजायाङा दिन ।। ।।

६० क

**ग्वल**

स ५०१ वेशाषवदि ९ ग्वल्वंस कोष छुन्ता वुप्तरवु-निछें पाजुभासन च्यान्हु वुतेमजीव मेपोयो: ।। ।।

६० क

**भण्डेवहार**

स ५०१ जेष्ट वदि १० अश्विनि सोम वार भण्डेवहारछैंया को चपाप्तदेव थंङा दिन: ।। यजमान आद्धिकारी अनेकचन्द भाटो तेज-राम मुलमीस ।। ।।

६० क

**स्थितिमल्ल**

स ५०१ जेष्ट शुक्ल पूर्णमाशी कोन्हुम्पा-लखा धरलंख्वमूल डंङ विता एकसरवार्प

१२०० थ्वतेपलकि विस्यं श्री श्री जयस्थितिराजमलदेव प्रभुसन थव प्रतानिलंख मूलयाङ प्रशादारपा आचन्द्रारकमेदनी प्रजन्तन ।। ।।

६० क

**जयार्जुनदेव**

स ५०२ माघ वदि ५ भ्वंत श्री श्री जयार्जुणदेवरामस अष्टदिन्वसु ठाय तिपुरस क्वाछेंसः ।। ।।

६० ख

**तेजराम मुलमी**

स ५०२ वेशाष शुदि ६ वहार छेंया कोचयाप्त भाद्रस थापरपा दिन यजमान तेजराम मुलमीस ।। ।।

६० ख

**जयसिङराम**

स ४९७ पोष्य वदि अमावास्या भ्वन्त जयसिङराम महाथ भास्यं नित्य श्राधयाङा दिन ।। ।।

६० ख

**स्थितिमल्ल**

स ५०२ अशुनि शुदि अष्टमीन श्री श्री जयस्थिति राजमलदेव प्रभुसन स्मस्त एकशर भारो पनि चोक दुम्वोङ खण्ड स्वंजका आढण फरीन पाट दोल न न्हसश्र १७०० प्रशादारपान्तातु ।। ।।

६० ख

**तिलमाधव**

स ५०३ माघशुक्ल दशमी बुध वार श्री तिलमाधवसके तोरण दुन्ता मातारी सखमूलमी छय राजमूलमीस काय मेगराम मूलमीसन ।। ।।

६० ख

**धर्ममलको विवाह**

क. स ५०३ फाल्गुण शुद्धि तृतीया बृहस्पति वार चा श्री धर्म्मदेव ठाकुरस विवा—

६० ख

ह दिन ।

६१ क

ख. थ्वनलि थो आदीत वारण देघुरिसके पूजा विज्याङा... ...म्हरवु...वंलुमदग्व प्याखन भेवानन्दः ।। ।।

ग. थ्वलासवुकि... ...गजुवल नन्ह्या एदेस्वर गण्ठिया चुलका थापन याङा यप्प पञ्चालीस नटयकं ।। ।।

घ. थ्वला नवु थोवएणिशि शुक्र वार कोथोर्छे भप्तीप्तिस खटया लुपप्तोप्त दुन्ता यजमान लछकोयानि योगीगणुनः ।। ।।

ङ. श्री धर्म्ममलदेवस विवाहनदेका भेव्वानिन्द प्याखन स्वदेश प्रदेशन स्वदशक ल्हाया भरी द्विज राजजुस जोती कस्त भास गजा मुलमीस पण्डचा मनकु भाटों ।। ।।

६१ क

**धर्ममल्लको विवाह**

क. स ५०४ जेष्ट शुदि १५ ।। ।। शुभः विवाह जुद गुणिलान क्ररेवोयमाल्व विवाह गण्ठकण चवदश कोन्हु ग्वण्ड चिन्ने गुणिला थोव तीप्तिशिकोन्हु वोय दुम्बी ।

ख. थ्व कोन्हु वु ध्यरसूये क्ररेलास थङ

६१ क

थ्व सन्ती सेञके शिमलास थंङ ।

ग. थ्वया सन्ता जाञके पाप्त पालास थङ सायातकोन्हु क्रवोपानस थंङाव मुलल्ल यो थंङ मुलखास चोयः प्यन्हुलिवयुन कोसखावङाव पूजायाये भटि नि भाट क्ररेदेकं थे पूजाहिन्साद्यकं लख्वहाले स्मयमाङा वये क्रवोपानयात देशस छोये मम्वाल्य ।।

६१ ख

**जोग्राम मुल्मी**

क. स ५०४ ववयलागाक्व दुराख कोन्हु पसल छेंदुं थोसके ल्हाङास निभारतोसा माल्यं ङाकोतोल वोप्यम्हं थ्वन टामलस्यं भरीटो ताक्व थ्व सम्वच्छलनवु कतिलाभ्यतरस श्री राजकुलया भीङ्कासप्त पापा तङ शिक्वह्मं

१५ थ्वनलीलि स्वाखर क्वाठ नवक्वाठ नपु
...न क्वाठ भ्वन्तन काया कोलाक्वन:

ख. संलं क्वाठं फनपीनं पाथा ।

ग. फिग्रि क्वाठ जोग्रामं मुल्मीस्यं प्यस्यता मञ्जन कुलयाङ मावव ।।

घ. थ्व क्षनस सेला

६१ ख

मालोक श्री हरिक्षेत्रस संपूर्ण यात वङ्व निर्वितिन लासवो ।। ।।

६२ क

स ५०४ जेष्ठ वदि १० छोप्तन थंन लख्वयातं याङा दिन: थ्वलान अवन न्हयामदो ।।

६२ क

**स्थितिमल्ल**

स ५०६ पोष शुदि ११ चंगु यितीहमका श्री स्थितिराज मलदेवसन: ।। ।।

६२ ख

५०४ दितला गुणिलानके जि कुन्हु थवदेशीन ड्याचमफो भ्वंतलोक डोय पनिस कापप्त चीव लुवोहके थोल्वयां मूलन मंसछिन कोप्परति नथं चुनलुं थव मूलन हटमलुयकं कास्यं थवलोक मेल्यं ड्यातजोव: ।। ।।

६२ ख

**पशुपति: स्थितिमल्ल**

स ५०५ जेष्ट शुक्ल दशमी श्री पशुपति सुखांडो थापन श्री जयस्थितिराजमलदेवस जजमान जयसिह्वराम महाथभास ।। ।।

६२ ख

**स्थितिमल्ल**

स ५०६ प्रथमाषाढ कृष्ण दशमी दिगचपप्ति आतवचेये शिहदो श्री श्री जयस्थितिराज मलदेव ठाकुरस कृत ।। ।।

६२ ख

**राजल्लदेवी**

स ५०६ कार्त्तिक शुद्धि २ स्वांति प्रीति बृहस्पतिवार श्री राजलदेविस अस्त दिन: ।। ।।

६२ क

स ५०६ फाल्गुण वदि ६ वेशाष व्याघात अनारवार लीछि जीस्यं फिशिरि पुन्द वंङा वुङ वव भिकोमी अफप्त सङव प्तं नढोङ ।।।।

६२ क

**भैरवानन्द प्याखन: धर्मदेव**

क. स ५०३ पोष वदि ११ प्याखन लेतया भैरवानन्द नियप्यन्हु स्यङाव सेलागाक्व दिशीङ्कोन्हु शिद्धिफया श्री कोथोछेंस ।। ।।

ख. थ्व ग्रन्थ न्हाया डोभासन चोह्व सोस्यं नक ग्रन्थदेका पाण्ड्यायम्वटुनुम्विहारमेनकु भारोस सउदर उकाजीवा भारो समुर्ज्जस गजुप्टिटास्यं वीरनेत चुलास खास्यं श्री श्री धर्म्मदेव ठाकुरसंन प्रसादारमा थ्व ठाकुरस विवाह्यातन्दे

६२ क

का विवाह
चेतला थोव तिराख वृहस्पतिवारचा ।। ।।

ग. थ्व प्याखन स्वंदस कदंग्व भरि श्री द्वीजराज भारोस जोतीकस्त भास गजा मुलमीस ।। प्याखन दुवलिछिवु: ।। ।।

६२ ख

**स्थितिमल्ल**

स ५०७ वेशाष शुदि ४ श्री श्री

६३ क

जयस्थिति–
राजमलदेव ठाकुरस त्रियपुत्र सहन वुगमयात्रा विज्याङा दिन १४ भ्वन्त जयसिह्वराम महाथसनपं ।। ।।

६३ ख

**शिवदास**

स ५०७ आषाढ शुदि ९ उपाध्याय शिव–

दाशजुस दिव शिवलोक प्राप्त दिनः ।।

६३ ख

**स्थितिमल्ल**

स ५०७ आषाढ शुद्वि द्वादशी राजा श्री जयस्थितिराजमल देवसन मेनण्टुठिस लख्वकाया खण्डागाह गजा खण्डागाहस ।। ।।

६३ ख

**स्थितिमल्ल**

स ५०– कार्त्तिक शुक्ल प्रतीपदा श्री श्री जयस्थितिराजमलदेव प्रभूसन यङ्गल कुलछेंस वाधाव छोया, जलशीपाट ७६ एकतन कू द्वल दङ्ग्व यप्त दुंविस्यं यंवंग्व ।।

६३ क

**स्थितिमल्ल**

स ५०७ पोष शुद्वि ६ श्री श्री जयस्थिति राजमलदेवस्तंन भ्वन्त जयशिह्वराम महाथमास्यं थमुम्मास्यं तिलपात्र दानयात वा, थ्व क्षणस दुवारिक श्यष्ट मङ्गल छदेवलछें जगमुलमीस शुपुत्र गजा मुलमीस ठाकुरस महास्वस्तः ।। ।।

६३ क

**स्थितिमल्ल**

क. स ५०७ फाल्गुण शुदि प्रतीपदा हस्त बृधि वुध वार श्री ग्वलं नवहरसन्हापाया स्यन्ता लुयिती हायका ।

ख. श्री श्री जयस्थितिराजमलदेव ठाकुरस जजमान जुस्यं दिवङ्गत श्री राजलदेवीस उदेशनान ।।

ग. थ्व सम्वच्छलन वु द्वालद्वालन अटछेस्यं वोङ लंल्ल छ चिङा छोप्तन थंस थव थव दिशन लच्चिङा ।। ।।

६३ क

**तेजपति**

स ५०९ चेत्र शुद्धि १२ थव वपी कुप तेजपतिजुस खतकायु थव साल वदकतास आयतमदो भारपमाकाय जोङ हस्य ढिङता सास्ति याङा सतंङ आसखोप्तन छोङ लिछोस्यं स्याचका द्विजराजजुटो तिरीपुरुसस्यं उपाध्याजुटो खोयकं थ्वया प्राश्चित्त लुप्ल १८ कास्यं व्यजोका थ्व पातक न कुश्चिन थिव ।। ।।

५८ क

स ५०० मार्गशिर शुद्धि १ संक्रम गाक्व अमावास्या सबु सङ्क्रान्ति लसते प्वल थ्वक्षनस देशनव छिवाकोलाक्व यंचेल थोचेल वापेये मदो शा मान प्वङ्गाक्वः ।। ।।

५९ ख